स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
RNI REG NO: MPHIN/2007/20200

वर्ग पहेली 47

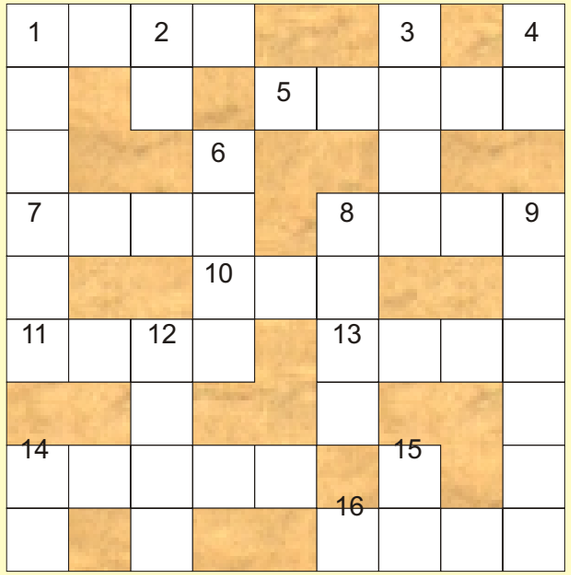

संकेत

बाएं से दाएं

1. शमा आय या पापी पेट (4)
5. बल के असर का इलाका (3, 2)
7. गर्मी से मातापन गड़बड़ (4)
8. चहचहाहट (4)
10. धाक व गड़बड़ दौड़ने वाला (3)
11. बेकारी गरीबी में शिल्प (4)
13. हम हरा साथ चलने वाले (4)
14. पूंछकटा परिमाप सिरकटा सर्जन यानी संशोधन सुधार (5)
16. चौकोर (4)

ऊपर से नीचे

1. तत्वों की सारणी (3, 3)
2. काश निकट में ग्रह होता (2)
3. पेट धंसा लेंस (4)
4. सुगंधित पदार्थ (2)
6. मां का दूध तो यही प्राणि पीते हैं (4)
8. बच्चों की पहली किताब (3)
9. वृहत संहिता के रचयिता (3, 3)
12. चलता हुआ (4)
14. द्वार या सिक्के का एक पहलू (2)
15. सुबह का संकेत देने वाला पक्षी (2)

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-7/453, अरेरा कालोनी, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी

स्रोत

अगस्त 2008 विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स मूल्य 15.00 रुपए

बुढ़ापे से लड़ाई का रसायन

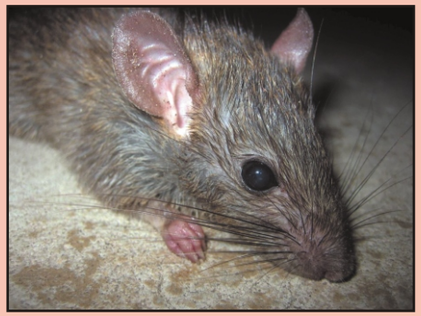

12 मोटापा घटाना चूहों से सीखें

14 सूक्ष्मजीव विज्ञान के तीन सुनहरे युग

19 भारत के प्राचीन वृक्ष

28 तुंगुस्का की पहेली

अगस्त में विज्ञान दिवस

02 अगस्त: ***प्रफुलचंद्र रॉय*** का जन्म दिन है। उनका जन्म 1861 में हुआ था। आपने भारत की सबसे पहली स्वदेशी दवा कंपनी की स्थापना की थी।

06 अगस्त: जापान के ***हिरोशिमा*** शहर पर अमेरिका द्वारा परमाणु बम गिराया गया था।

09 अगस्त: अमेरिका ने एक बार फिर जापान के ***नागासाकी*** शहर पर परमाणु बम गिराया।

09 अगस्त: ***एमिडियो एवोगैड्रो*** का जन्म दिन है। उनका जन्म 1776 में हुआ था। ***एवोगैड्रो*** ने मोल की अवधारणा दी और परमाणु व अणु में भेद किया। एवोगैड्रो के नियम से परमाणु भार की गुत्थी सुलझी थी।

10 अगस्त: ***मनाली कलात वेनु बापू*** का जन्म दिन है। उनका जन्म 1927 में हुआ था। ***वेनु बापू*** ने संयुक्त रूप से तारों के वायुमंडल में एक प्रभाव की खोज की थी जिसे विलसन-बापू प्रभाव कहते हैं।

12 अगस्त: ***डॉ. विक्रम साराभाई*** का जन्म दिन है। उनका जन्म 1919 में हुआ था। ***साराभाई*** भारतीय भौतिक शास्त्री थे। उन्हें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक कहा जाता है।

15 अगस्त: ***लुई डी ब्रॉगली*** का जन्म दिन है। उनका जन्म 1892 में हुआ था। 1929 में उन्हें भौतिकी के लिए नोबल पुरस्कार दिया गया। उन्होंने इलेक्ट्रॉन की तरंग प्रकृति पर बुनियादी सैद्धांतिक काम किया।

23 अगस्त: ***जॉर्जेस कुवियर*** का जन्म दिन है। उनका जन्म 1769 में हुआ था। ***कुवियर*** एक फ्रेन्च प्रकृतिविद और प्राणीविद थे।

30 अगस्त: ***अर्नेस्ट रदरफोर्ड*** का जन्म दिन है। उनका जन्म 1871 में हुआ था। ***रदरफोर्ड*** ब्रिटिश भौतिक शास्त्री थे। उन्हें फादर ऑफ न्यूक्लियर फिज़िक्स के नाम से जाना जाता है।

मोर की कौन-सी बात लुभाती है?

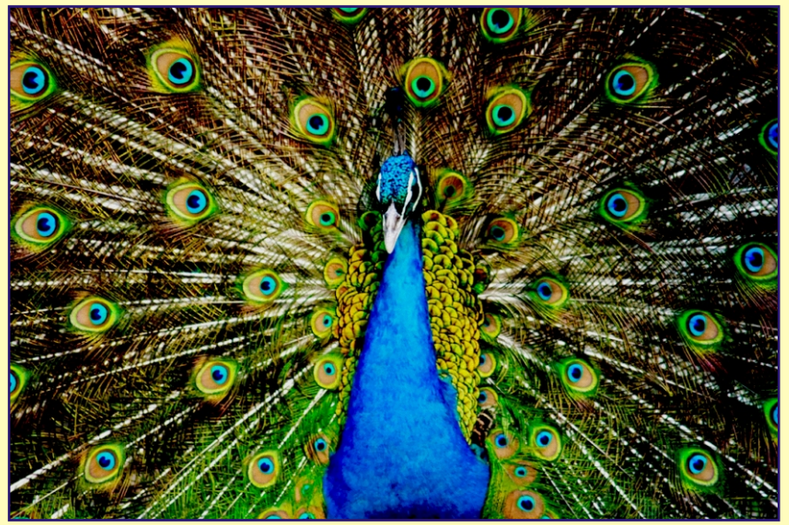

क्या डॉर्विन का यह मत सही था कि मोरनियां मोर की पूंछ से आकर्षित होती हैं।

मोर का नाच जग प्रसिद्ध है और जैव विकास के प्रवर्तक डार्विन का विचार था कि मोरनी अपना साथी चुनते समय मोर के पंखों की ओर देखती है। यह बात जैव विकास के संदर्भ में बहुत महत्व रखती है कि प्रजजन में किसी जीव को किन गुणों से लाभ मिलता है। जिन गुणों से जंतु की प्रजनन क्षमता बढ़ेगी वह गुण अगली पीढ़ियों में ज़्यादा पहुंचेगा क्योंकि उस गुण के धनी जीव की ज़्यादा संतानें पैदा होंगी।

अब जापान में हुए अध्ययन ने सवाल उठाया है कि क्या डॉर्विन का यह मत सही था कि मोरनियां मोर की पूंछ से आकर्षित होती हैं। इस अध्ययन के परिणामों के अनुसार मोरनी संभोग के लिए मोर का चयन उसकी पूंछ को देखकर नहीं करती है।

टोक्यो विश्वविद्यालय के मारिको ताकाहाशी और उनकी टीम के सदस्यों ने 7 वर्षों तक मोर और मोरनी के व्यवहार पर अध्ययन किया हैं। इसके लिए उन्होंने शिजोका के ईज़ू पार्क में सन 1995 से 2001 तक मोर-मोरनियों के व्यवहार का अवलोकन किया।

उन्होंने वहां उपस्थित सभी मोरो के फोटोग्राफ लिए। पूंछ के आकर्षण को नापने के लिए उसके पंखों के साइज़ और आंखों को गिना। आम तौर पर ऐसा माना जाता है कि मोर के पंख में जितनी ज़्यादा आंखें होंगी वह उतना ही आकर्षक होगा। मोरपंखों को आकर्षण के पैमाने पर रख लेने के बाद शोधकर्ताओं ने ध्यान दिया कि मोरनी संभोग के लिए किस प्रकार के मोरों का चयन करती है।

ताकाहाशी और उनकी टीम ने 268 संभोगों का अवलोकन किया। उन्होंने पाया कि मोरनी ने संभोग के लिए सादी पूंछ वाले मोरों को लगभग उतना ही पसंद किया जितना भड़कीली पूंछ वालों को। यह आश्चर्यजनक और डार्विन के विचारों के विपरीत था। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि मोरनी संभोग-साथी का चयन करते समय पूंछ को ज़्यादा तरजीह नहीं देती है।

मगर यह कहना ज़रूरी है कि इससे पहले किए गए तीन अलग-अलग अध्ययनों में यह प्रमाणित हुआ है कि मोरनियों द्वारा साथी चयन में पूंछ की बनावट का बहुत महत्व होता है। इस सम्बंध में कोई निष्कर्ष निकालने से पहले और जानकारी की ज़रूरत होगी। ***(स्रोत फीचर्स)***